हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

11 हरियाणा कला संस्कृति मंच की ओर से हुई कवि गोष्ठी

12 कालोनियों में अब तक कूड़ा उठाने नहीं पहुंचे सफाई कर्मचारी

भीषण गर्मी में तीन बार ओवरलोड हुआ शहरी पावर हाउस

हीटवेव से हांफा बिजली निगम : 81 लाख यूनिट प्रतिदिन पहुंची डिमांड, रातभर लग रहे कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली की लाइनों पर भी लोड बढ़ना शुरू हो गया है। यही कारण रहा कि शनिवार रात को शहरी पॉवर हाऊस तीन बार ओवरलोड हुआ। पावर हाऊस में ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए कर्मचारियों को अनेक बार बिजली कट लगाने पड़े। लोड के चलते प्रतिदिन अघोषित कट लगाना निगम की मजबूरी हो गई है, जिससे भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हो रही है। पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान से जिले में बिजली की मांग बढ़ने लगी है। इन दिनों निगम के पास फ्रिक्वेंसी का लेवल 50.12 तक पहुंच गया है, जोकि 48 के नीचे आते ही बिजली के कट लगने शुरू हो जाते हैं। रविवार को दिन में भी हालात जस के तस रहे। बिजली कटों का हाल यह था कि रविवार को दिन में पेयजल सप्लाई भी नहीं हो पाई। हालांकि पब्लिक हेल्थ के कर्मचारी इसे वॉल्व में खराबी बता रहे हैं।

अप्रैल से मई में दोगुनी हुई बिजली की खपत

धान सीजन से पहले ही बिजली व्यवस्था पर बढ़ा दबाव

बिजली कटों से पेयजल सप्लाई भी हुई प्रभावित

◆ *फ्रिक्वेंसी का लेवल 50.12 तक पहुंचा, 48 के नीचे आते ही लगने लग जाते है बिजली के कट*

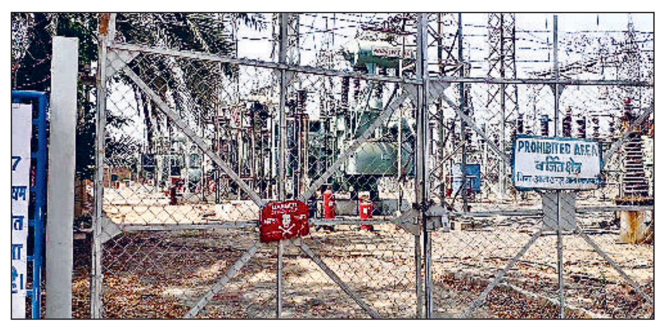

फतेहाबाद। भट्टू रोड पर स्थित 132 केवी सब स्टेशन।

एक दिन में 8 लाख यूनिट बढ़ी खपत

फतेहाबाद में पानीपत थर्मल से वाया नरवाना बिजली की आपूर्ति होती है। तापमान में जब बिजली की डिमांड बढ़ती है तो इसका सीधा असर लाइन पर पड़ता है। लाइन पर बोझ पड़ते ही फ्रिक्वेंसी का स्तर डाऊन आ जाता है। इन दिनों अप्रैल महीने की बात करे तो फरवरी से करीब 2 करोड़ यूनिट ज्यादा की मांग चल रही है। अप्रैल मास में प्रतिदिन 29 लाख से 40 लाख यूनिट प्रतिदिन की डिमांड थी जोकि मई में चल रही हीट वेव के कारण बढ़कर 80 लाख तक यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई है। एक मई को ऑपरेशन सर्कल फतेहाबाद में बिजली की डिमांड 54 लाख 68 हजार यूनिट थी। तापमान बढ़ने के साथ 15 मई को यह बढ़कर 59 लाख 27 हजार यूनिट तक जा पहुंची।

रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई दर्ज

हैरानीजनक तथ्य यह है कि 16 मई को बिजली की डिमांड में रिकार्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक ही दिन में यह बढ़कर 67 लाख 49 हजार यूनिट हो गई। यानि एक ही दिन में 8 लाख से अधिक यूनिट की डिमांड बढ़ गई। रविवार 24 मई को बिजली की डिमांड अभूतपूर्व रूप से 81 लाख यूनिट तक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई, जिसके साथ ही बिजली निगम के स्वयं के हाथ-पैर कांपने लगे। पावर हाऊस तो ओवरलोड हुआ ही, फ्रिक्वेंसी लेवल भी डराने लगा। दोपहर को यहां पानी सप्लाई नहीं हो सकी। हाइवे पर कफ्र्यू जैसे हालात थे।

जून में धान की रोपाई से बढ़ेगी बिजली की डिमांड

बता दें कि जिला में करीब 1 लाख 50 हजार हैक्टेयर भूमि पर धान की खेती होती है। धान की बिजाई 15 जून से शुरू होनी है। धान की फसल में पानी की अधिक आवश्यकता होती है और नहरों में पानी की कमी के चलते किसान ट्यूब्वैलों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। ऐसे में बिजली की मांग ओर बढ़ेगी और बिजली के कट लगेंगे। इस बार तापमान अप्रैल में ही बढने से निगम के अधिकारियों को चिंता सताने लगी है कि जून में इसकी भरपाई कैसे होगी। मानसून आने में अभी डेढ माह का समय पड़ा है, अभी से बिजली की मांग बढने से निगम को व्यवस्था बनाए रखना एक टेढी खीर साबित हो रहा है। बिजली निगम के फतेहाबाद सर्कल में फतेहाबाद, टोहाना, रतिया, भूना, भट्टू, जाखल पड़ते हैं। इन क्षेत्रों में फतेहाबाद, टोहाना व रतिया में धान की खेती अधिक होती है।

सभी बिजली उपकरणों के एक साथ प्रयोग से बचे

बिजली की बढ़ती डिमांड के बीच दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने भी एक एडवाइजरी जारी की है। निगम ने उपभोक्ताओं से निवेदन किया है कि वह रात में सभी बिजली उपकरण एक साथ उपयोग न करें। जैसे कि जब ए.सी. चल रहा हो तो पंखा या कूलर बंद कर दें और प्रेस चालू ना करें। अन्य अनुपयोगी बिजली उपकरणों को भी बंद कर दें। इससे ऊर्जा बचत भी होगी तथा वोल्टेज ड्रॉप भी नहीं होगा। ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड नहीं होगा और फ्यूज भी नहीं उड़ेंगे और लोगों को रात को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा।

-अशोक कुमार, एक्सईन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, फतेहाबाद

पेयजल व सिंचाई पानी को लेकर दिया धरना

नाथूसरी चोपटा खंड में मंडराया संकट

सिरसा। पेयजल व सिंचाई पानी को लेकर धरना देते ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

नाथूसरी चोपटा खंड में पेयजल व सिंचाई पानी संकट को लेकर क्षेत्र के किसानों ने रविवार को सिंचाई विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि कुतियाना माइनर और जमाल माइनर के टेल तक पानी सही मात्रा में नहीं पहुंच रहा, जिससे गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा है और किसानों की फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। किसानों का कहना है कि हाल ही में एक दिन पानी आया था, लेकिन उसके बाद पानी का स्तर अचानक कम हो गया। इससे खेतों की सिंचाई का कार्य रूक गया है और पीने के पानी की समस्या पैदा हो गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के कारण अंतिम छोर के गांवों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। ग्रामीण देवीलाल खीचड़, अशोक साहू, अजय बेनीवाल, प्रहलाद बेनीवाल, मांगेराम कसवां, सुशील कुमार, सुरेंद्र सिंह और सतबीर सिंह सहित आदि ने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों को बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पत्नी पर बुरी नजर के विवाद में युवक पर हमला ताऊ और बेटों ने रास्ता रोककर पीटा, 4 पर केस

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे स्थित गांव बड़ोपल में पत्नी पर बुरी नजर रखने को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया। घर लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर उसके ताऊ और उसके बेटों ने हमला कर दिया। मारपीट में घायल युवक को पहले अस्पताल और बाद में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया पड़ा। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बड़ोपल निवासी राधेश्याम ने बताया कि वे ढाणी में रहते हैं। 2012 में उसका प्रेम विवाह हुआ था। उसके साथ में ही उसके ताऊ राजकुमार की ढाणी है। ताऊ का लडक़ा विष्णु उसकी पत्नी पर बुरी नजर रखता है और इस संबंध में पहले भी कई बार झगड़ा हो चुका है।

खबर संक्षेप

कचरा डोडा पोस्त सहित बठिंडा के दो युवक पकड़े

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बठिंडा के अमरगढ़ निवासी बलविंदर सिंह को कचरा डोडा पोस्त सहित काबू किया है। आरोपी के कब्जे से 15 किलो 304 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ है।

हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। एंटी नारकोटिक्स सेल फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ अभियान के तहत रतिया क्षेत्र से एक आरोपी को 11.72 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि पुलिस गांव ब्राह्मणवाला के पास गश्त पर थी इसी दौरान कार्रवाई की।

साइबर हेल्प डेस्क ने ठगी राशि करवाई वापस

फतेहाबाद। टाइल एडहेसिव केमिकल सप्लाई के नाम पर हुई 1 लाख 62 हजार रुपये की ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस के अंतर्गत साइबर हेल्प डेस्क ने पूरी राशि रिकवर करवा दी है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार जांच में शामिल किया है।

कार सवार युवक चूरापोस्त सहित काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नशे से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश जारी

पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान बरनाला रोड स्थित नाका मुसाहिबवाला क्षेत्र से कार सवार युवक को एक किलो 742 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान फतेहाबाद निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान नाका मुसाहिब वाला क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान सामने से एक कार आती हुई दिखाई दी। कार चालक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक गाड़ी को वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया तो पुलिस ने शक के आधार पर कार को रोक लिया। तलाशी लेने पर कार से एक किलो 742 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना सदर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है, वहीं आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से पूछताछ कर डोडा चूरा पोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

नशे के खिलाफ अभियान

ऑपरेशन जीवन ज्योति : 5 नए पीड़ित चिन्हित

हिसार और पंजाब से भी काउंसलिंग के लिए पहुंचे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम लगातार जागरूकता अभियान चलाकर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने जिला के गांव मताना, जांडवाला सोतर, शेखूपुर सोतर, अक्का वाली तथा रतिया के वार्ड नंबर 12 में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने ग्रामीणों और विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया।

फतेहाबाद। नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करते एसआई सुंदर।

पीड़ितों को नशा छोड़ने के लिए किया प्रेरित

अभियान के दौरान टीम द्वारा कुल 5 नशा पीड़ितों को चिन्हित किया गया, जिनमें से एक पीड़ित को नागरिक अस्पताल तथा दो पीड़ितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया में उपचार के लिए दाखिल करवाया गया। इसके अतिरिक्त पहले से उपचाराधीन चल रहे 11 पीड़ितों की भी टीम द्वारा काउंसलिंग की गई तथा उन्हें आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गई। टीम सदस्यों ने पीड़ितों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया।

नशा पूरे परिणार और समाज पर डालता प्रभाव

नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करता है बल्कि पूरे परिवार व समाज पर भी इसका बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। टीम ने युवाओं से अपील की कि वे नशे के जाल से निकलकर खेल, शिक्षा और अन्य सकारात्मक गतिविधियों की ओर अपना ध्यान लगाएं। उल्लेखनीय है कि फतेहाबाद पुलिस की इस प्रभावी काउंसलिंग और सकारात्मक कार्यशैली का असर अब जिला से बाहर भी दिखने लगा है। हिसार और पंजाब से भी काउंसलिंग के लिए लोग पहुंचे रहे है।

रास्ता भटकी पंजाब की 6 वर्षीय बच्ची को परिजनों से मिलवाया

फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद में तैनात डायल 112 की ईआरवी 219 पुलिस टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए रास्ता भटक गई पंजाब के जगरांव निवासी एक 6 वर्षीय मासूम बच्ची को सकुशल उसके परिजनों से मिलवाकर इंसानियत की मिसाल पेश की है। ईआरवी 219 के इंचार्ज ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक 6 वर्षीय बच्ची रास्ता भटककर अपने परिजनों से बिछड़ गई है। सूचना मिलते ही ईआरवी पर तैनात ईएसआई जनकराज, चालक ईएएसआई रोहताश तथा एसपीओ गुरजीत तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। पुलिस टीम ने सूझबूझ से काम लेते हुए बच्ची से बातचीत की और आसपास के इलाके में संपर्क साधकर उसके परिजनों का पता लगाया। कुछ ही समय में बच्ची को सुरक्षित उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। अपनी लाडली को सही-सलामत पाकर परिजनों की आंखें भर आईं और उन्होंने फतेहाबाद पुलिस का दिल से आभार जताया।

- **पुलिस ने पेश की इंसानियत की मिसाल**

नहर में मिला युवती का शव

सोशल मीडिया से हुई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में हिसार बाईपास स्थित नए बस स्टैंड के पास लोहे वाले नहर पुल के नजदीक शनिवार को मिली अज्ञात युवती की डेड बॉडी की रविवार को पहचान हो गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो और जानकारी शेयर होने के बाद मृतका की शिनाख्त पंजाब के समाना शहर निवासी कोमलप्रीत लगभग 20-21 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, कोमलप्रीत की गुमशुदगी की रिपोर्ट पंजाब में पहले से ही दर्ज थी।

कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला

मामले के अनुसार, शनिवार को टोहाना के हिसार बाईपास नहर में राहगीरों ने एक युवती का शव तैरते हुए देखा था, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस और समाजसेवी संस्था को दी। सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस और सहारा रेस्क्यू टीम के प्रधान नवजोत सिंह ढिल्लों अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद नहर के तेज बहाव से शव को सुरक्षित बाहर निकाला। उस समय युवती ने सफेद रंग का टॉप और नीले रंग की पैंट पहन रखी थी, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस ने शनिवार को शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया था। शनिवार को शव मिलने के बाद सहारा रेस्क्यू टीम और पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर युवती की तस्वीरें, वीडियो और हुलिए की जानकारी सांझा की गई थी।

मृतका कोमलप्रीत।

गांव बीघड़ में महिला सुरक्षा टीम और साइबर थाना ने ग्रामीणों को सिखाए सुरक्षा के गुर

फतेहाबाद। महिला सुरक्षा टीम और साइबर थाना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत गांव बीघड़ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों और अभय ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह तथा साइबर थाना की महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इन दिनों साइबर ठग फर्जी लिंक, ओटीपी और नकली कॉल के जरिए बैंक खाते खाली कर रहे हैं। उन्होंने अपील की कि कोई भी व्यक्ति अपना एटीएम पिन, पासवर्ड या ओटीपी किसी से शेयर न करे और ठगी होने पर तुरंत 1930 नंबर पर सूचित करे। इसके अलावा महिलाओं को फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निजी जानकारी सीमित रखने की सलाह दी गई।

युवक पर रॉड-डंडों से किया हमला

दबंगई दिखाने वाले बाप-बेटे गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भूना थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया ट्रैक्टर और एक लाठी भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव ढाणी डूल्ट निवासी बलजीत सिंह और उसके बेटों सुरेंद्र कुमार व मोनू के रूप में हुई है। भूना थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि ढाणी डुल्ट निवासी लीलूराम ने शिकायत में बताया था कि वह स्कूटी पर गांव जा रहा था। इसी दौरान आरोपी मोनू ट्रैक्टर लेकर आया और उसका रास्ता रोक लिया।

आरोप : पहले की गाली-गलौज फिर मारपीट

आरोप है कि मोनू ने पहले गाली-गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आरोपी बलजीत सिंह और सुरेंद्र भी मौके पर पहुंच गए। तीनों ने मिलकर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर लीलूराम को घायल कर दिया। आरोपियों ने उसकी स्कूटी को भी नुकसान पहुंचाया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। हमले में घायल लीलूराम को पहले उपचार के लिए सीएचसी भूना ले जाया गया, जहां से हालत को देखते हुए उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

बेहतर भाव की उम्मीद में किसान कर रहे फसल स्टॉक, 7300 से 7500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचा भाव

सरकारी केंद्रों पर सन्नाटा, निजी बाजार में बढ़ी खरीद

समर्थन मूल्य से एक हजार रुपये ऊपर बिक रही सरसों, सरकारी एजेंसियों के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में 15 मई के बाद दोबारा शुरू हुई सरकारी सरसों खरीद के बावजूद नई अनाज मंडी में सरसों की आवक नहीं हो रही है। पिछले कई दिनों से कोई किसान सरकारी खरीद केंद्रों पर अपनी फसल बेचने नहीं पहुंचा। इसकी सबसे बड़ी वजह निजी बाजार में मिल रहे ऊंचे दाम और आगे भाव बढने की उम्मीद मानी जा रही है। सरकारी खरीद केंद्रों पर सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6250 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है, जबकि निजी व्यापारी किसानों को 7300 से 7500 रुपये प्रति क्विंटल तक भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में किसान सरकारी खरीद की बजाय निजी व्यापारियों को प्राथमिकता दे रहे हैं और कई किसानों ने बेहतर दाम की उम्मीद में अपनी फसल स्टॉक कर रखी है।

फतेहाबाद। अनाज मंडी का मेन गेट।

भाव बढ़ने पर बेचेंगे फसल : राजेश

भट्टूकलां के किसान किशना राम ने बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही सरसों को रोककर रखने का निर्णय लिया था और अब तक एक भी क्विंटल फसल नहीं बेची। किसान महेंद्र ने कहा कि बाजार में लगातार तेजी बनी हुई है। वहीं किसान राजेश कुमार का कहना है कि यदि सरसों का भाव 8 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचता है, तभी वह अपनी फसल बेचेंगे। नई अनाज मंडी में आढ़त का कार्य कर रहे व्यापारी दिनेश कुमार ने बताया कि मौजूदा समय में सरसों के भाव का सटीक अनुमान लगाना कठिन है। उन्होंने कहा कि मई माह के शुरुआती 20 दिनों में ही सरसों के दाम करीब एक हजार रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ चुके हैं। बाजार की स्थिति को देखते हुए आगे भी तेजी की संभावना बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसान फिलहाल घाटे में नहीं हैं, इसलिए जल्दबाजी में फसल बेचने से बच रहे हैं। दूसरी ओर मार्केट कमेटी और मंडी प्रशासन बिना लाइसेंस सरसों खरीदने और अवैध भंडारण करने वाले व्यापारियों के खिलाफ अभियान चला रहा है।

बिना फीस के भंडारण पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों के अनुसार यदि कोई व्यापारी बिना मार्केट फीस के गोदामों में सरसों का भंडारण करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मार्किट कमेटी सचिव अमित रोहिल्ला का कहना है कि गांवों में निजी खरीद करने वाले व्यापारियों पर नजर रखी जा रही है। लेकिन निजी बाजार में ऊंचे दाम मिलने के कारण फिलहाल सरकारी खरीद केंद्रों पर किसान फसल लेकर नहीं आ रहे हैं।

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

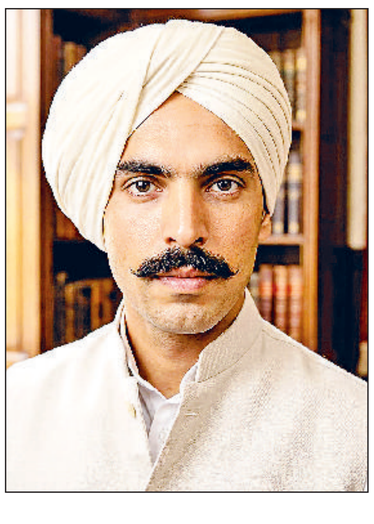

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक देदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी | सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं ।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै ।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण कै खड़ा सै ।
म्हारी एकता खंडित करण नै अड़ा सै ।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती ।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती ।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति | **हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें**

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं,

बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है।

हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुजुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

जिंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर

कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

खबर संक्षेप

गेहूं चोरी करने का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

फतेहाबाद। मकान में घुसकर अनाज चोरी करने के मामले में मुस्तैदी दिखाते हुए थाना भुना पुलिस ने गांव दहमान निवासी अरुण उर्फ नूणी पुत्र राजकुमार को काबू किया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि दहमान निवासी हवा सिंह ने पुलिस को शिकायत दी थी कि आरोपी अरुण उर्फ नूणी और उसका साथी अमृत उनके घर में घुसकर वहां रखी गेहूं चोरी कर ले गए। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी पहले भी गांव में इस तरह की चोरियां कर सामान बेच चुके हैं, जिससे ग्रामीणों में रोष था। पुलिस ने शिकायत मिलते ही तुरंत टीम गठित कर आरोपी अरुण उर्फ नूणी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना भुना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस दूसरे फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

सेंट जेवियर स्कूल में कैंसर जागरूकता सेमिनार

सिरसा। सेंट जेवियर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राइट टू लाइफ फाउंडेशन के अंतर्गत कैंसर अवेयरनेस कैंपेन हरियाणा हायर सेकेंडरी एजुकेशन के तहत कार्य करते हुए प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजिस्ट एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रत्नाला तुलसी कुमारी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थी। डॉ. रत्नाला तुलसी कुमारी ने विद्यार्थियों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, समय पर जांच तथा बचाव के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

दरियापुर में पास गांजे सहित युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ धरपकड़ मुहिम के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव दरियापुर निवासी अमन को 520 ग्राम गांजा सहित काबू किया है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस चौकी दरियापुर प्रभारी उपनिरीक्षक हंसराज अपनी टीम के साथ गश्त एवं अपराध जांच के दौरान एनएच-9 पुल के पास सर्विस रोड क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान एक युवक काले रंग का मोमी लिफाफा हाथ मं् लेकर खड़ा दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर घबराकर पीछे मुडक़र तेज कदमों से भागने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने तत्परता से उसे काबू कर लिया।

सट्टा लगवा रहे दो आरोपी गिरफ्तार

हांसी। सीआईए-वन ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 हजार नकदी, पांच मोबाइल फोन, हिसाब-किताब की नोटबुक सहित अन्य सामान बरामद किया है। सहायक उप निरीक्षक सम्मत सिंह ने बताया कि सीआईए-वन की टीम गांव सैनीपुरा क्षेत्र में गश्त और अपराध जांच पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

अवैध शराब मामले में फरार घोषित अपराधी काबू

हांसी। शहर पुलिस ने एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जिला जेल हिसार भेज दिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान जमावड़ी निवासी दीपक उर्फ दीपू के रूप में हुई है। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी दीपक उर्फ दीपू अवैध शराब से संबंधित एक मामले में वांछित था।

चोरी की बाइक सहित आरोपी गिरफ्तार

हांसी। एवीटी स्टाफ टीम ने चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बास बादशाह पुर निवासी राहुल के रूप में हुई है। जांच में खुलासा हुआ कि बरामद मोटरसाइकिल रोहतक से चोरी की गई थी। एवीटी प्रभारी ने बताया कि गश्त पड़ताल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैनीपुरा बाईपास के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

हरियाणा कला संस्कृति मंच की ओर से हुई कवि गोष्ठी

'खेत-खलिहान में हरियाली लाओ, अपने नाम का सब पेड़ लगाओ'

बिगड़ते पर्यावरण पर कवियों ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा कला संस्कृति मंच, फतेहाबाद की ओर से बचपन प्ले स्कूल, मताना में साहित्यिक कार्यक्रम व कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक युवा कवि रणधीर मताना ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर वरिष्ठ साहित्यकार व यायावर डॉ. ओमप्रकाश कादयान पहुंचे वहीं डॉ. सुदामा शास्त्री ने मंच संचालन किया। नीर धरोहर सोसाइटी की अध्यक्षा मुकेश वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। काव्य गोष्ठी के दौरान वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया, डॉ० बलराज शर्मा यथार्थ, कपिल देव, दिवाकर जयन्त, रणधीर मताना, मुकेश वर्मा, देवेन्द्र अशंक, डॉ. सुदामा शास्त्री ने काव्य पाठ के माध्यम से वाहवाही लूटी। डॉ. बलराज शर्मा ने 'गगन बीच रूक तनिक चन्द्रमा , कुछ पल तुमसे बात करूं, जो-जो सुना है तेरी महिमा में, उनको आत्मसात करूं', कविता के माध्यम से प्रकृति प्रेम जाहिर किया तो युवा कवि व प्राध्यापक कवि कपिल देव ने शहर में रह रहे लोगों की छवि इस तरह से उभारी 'सेक्टर में रहने वाले लोग मुझे क्यूं बन्द चिड़िया से लगते हैं, बाल सुनहरी पन्नी में लिपटे, चीनी गुडिय़ा से लगते हैं। एक धड़ा कुछ गज में बसा, गर्जन गजराज सी करते हैं।' मुकेश रानी वर्मा ने बिगड़ते पर्यावरणीय सन्तुलन को सुधारने के लिए पौधारोपण कर उनके संरक्षण पर जोर दिया और कहा 'खेत-खलिहान में हरियाली लाओ, अपने नाम का सब पेड़ लगाओ।' वहीं बाल कवि हिमांशु वर्मा ने अपनी भावनाएं, 'आज आसमान में बदल मण्डराया, पेड़ लगाने का मौसम है आया' कविता पढ़ कर व्यक्त की।

फतेहाबाद। कवि गोष्ठी में मुख्यअतिथि डॉ. ओमप्रकाश कादयान को सम्मानित करते संस्था सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

साहित्य ने सही रास्ता दिखाया : ओमप्रकाश

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ओमप्रकाश कादयान ने सभी कवियों व साहित्य प्रेमियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया कई तरह की समस्याओं से जूझ रही है। मनुष्य भौतिक सुविधाओं व आर्थिक धन-सम्पत्ति, जमीन के लालच में बेहद लालची होता जा रहा है। वो अपने स्वार्थ में जंगलों को काट रहा है, पहाड़ों को ढहा रहा है। हवा में पानी में जहर घोल रहा है। युद्ध की विभीषिका से जूझ रहा है। बड़े धनाढ्य व व्यापारी लोग आम आदमी का हक मार रहे हैं। ऐसे में साहित्यकारों का दायित्व बनता है कि अपने प्रभावशाली लेखन से समाज को भटकने से बचाएं। जब भी समाज भटकता है, साहित्य ने सही रास्ता दिखाया है।

पंडित लख्मी चंद म्यूजिक लाइब्रेरी का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

डिंग रोड स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पतली डाबर में पंडित लख्मी चंद म्यूजिक लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में गांव पतली डाबर के सरपंच लखविंदर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के समाजसेवी बिमल जैन द्वारा बनवाए गए नव निर्मित शौचालय का भी उद्घाटन किया गया। सरपंच लखविंदर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को संगीत एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए म्यूजिक लाइब्रेरी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक ज्ञान भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। विद्यालय परिवार ने समाजसेवी बिमल जैन द्वारा विद्यालय में करवाए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य शीला रानी ने विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में ब्लॉक समिति प्रतिनिधि जगदीश जांगड़ा, मौजुखेड़ा सरपंच हरपाल सिंह, डॉ. रोशन लाल पुनिया, म्यूजिक टीचर गीतिका रानी आदि मौजूद रहे।

सिरसा। पंडित लखमी चंद म्यूजिक लाइब्रेरी का उद्घाटन अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में व्यापार व उद्योग पिछड़ा : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है। पानीपत से टेक्सटाइल, बहादुरगढ़ से फुटवियर, यमुनानगर से प्लाई बोर्ड इंडस्ट्रीज के साथ-साथ प्रदेश में छोटे व मध्यम काफी उद्योग बंद हुए हैं। यहां तक की सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में छोटे व मध्यम उद्योग 60 प्रतिशत बंद हो चुके हैं, जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं। बजरंग गर्ग सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते बजरंग गर्ग। *फोटो : हरिभूमि*

घोषणा के बावजूद नहीं बना टेक्सटाइल हब

बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में व्यापार व उद्योगों के माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है, मगर हरियाणा में व्यापार व उद्योग कम होने से लोगों का रोजगार कम हुआ है। सरकार को बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए प्रदेश में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार ने 2015 में हरियाणा में टेक्सटाइल हब बनाने की घोषणा के बावजूद आज तक नहीं बनने से व्यापारियों में रोष है।

योग को दिनचर्या में करें शामिल

- शहर के अग्रवाल पार्क में भारतीय योग संस्थान ने योग साधना कार्यक्रम का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

शहर के अग्रवाल पार्क में भारतीय योग संस्थान द्वारा दो दिवसीय योग साधना कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर श्री अग्रवाल पार्क ट्रस्ट के उपप्रधान कीर्ति गर्ग ने बताया कि हर मनुष्य को यदि सही मायने में फिट रहना है तो योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में अपनाना होगा। तन की मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है, इसलिए सभी को योग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय योग पद्धति का लोहा पूरी दुनिया ने माना है।

सिरसा। योगाभ्यास करते साधक। *फोटो : हरिभूमि*

योग ही मुख्य रक्षक

कोरोना काल में भी योग ही मुख्य रक्षक के रूप में सामने आया। रामपाल गोयल ने योग की सारी विधि विस्तारपूर्वक समझाई। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित लोगों को सभी मुख्य आसन करवाए व उनके लाभ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने साधकों को प्राणायाम, कपाल भाति, मकरासन आदि आसन करवाए। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचाव के लिए भ्रामरी, शीतली काफी सहायक है। इस योगा क्लास की शुरूआत करने में रविवार को योगगुरू कोमल गर्ग, राजेश शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. राजकुमार की लिखी 'स्वच्छता चालीसा' का विमोचन

- चौधरी देवीलाल चिल्ड्रन पार्क में 16 दिवसीय योग शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पतंजलि योग समिति तथा भारत स्वाभिमान के तत्वावधान में चौधरी देवीलाल चिल्ड्रन पार्क में योग शिविर के 15वें दिन चंद्रपाल योगी ने योग की विभिन्न उपयोगी क्रियाएं, योगाभ्यास व प्राणायाम करवाया और बताया कि इन क्रियाओं के करने से अनेक प्रकार के रोगों से धीरे-धीरे मुक्ति मिलती है। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. राजकुमार निजात द्वारा लिखी गई स्वच्छता चालीसा का विमोचन किया गया। डॉ. राजकुमार निजात ने स्वच्छता चालीसा बारे बताया कि कहा कि इस स्वच्छता चालीसा में सफाई के बारे में विस्तार से बताया गया है। यदि हम इन बातों की तरफ ध्यान दें तो हमारे आसपास का वातावरण शुद्ध व स्वच्छ हो सकता है। पतंजलि योगपीठ के हरियाणा के प्रांतीय प्रभारी चंद्रपाल योगी ने स्वच्छता चालीसा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा आए हुए योग के विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छता जीवन में बहुत जरूरी है। इसे अपनाने से ही बहुत सारी बीमारियों का नाश हो जाता है और हमें डॉक्टर के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

सिरसा। साहित्यकार डॉ. राजकुमार निजात की लिखी स्वच्छता चालीसा का विमोचन करते। *फोटो : हरिभूमि*

नियमित रोग से बिमारियों से होता बचाव

शिविर में मुख्य अतिथि सीए दरवेश स्वामी ने बताया कि जो व्यक्ति नियमित रूप से निरंतर अपने जीवन में योग को धारण करता है, वह जल्दी से कभी बीमार नहीं पड़ता। वह सदैव स्वस्थ तथा निरोगी रहता है। सामान्य बीमारियों का उसपर कोई असर नहीं पड़ता। जो लोग नियमित रूप से योग करते हैं, वे जानते हैं कि उन्होंने योग द्वारा बहुत कुछ हासिल किया है तथा निरंतर सफल निरोगी जीवन जी रहे हैं जोकि बाबा रामदेव के पुरुषार्थ का परिणाम है।

पासवर्ड रीसेट के नाम पर ठगी का नया ट्रेंड

- साइबर ठगी से आमजन को बचाने के लिए एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पासवर्ड रीसेट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से आमजन को बचाने के लिए फतेहाबाद पुलिस ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे मोबाइल, बैंकिंग, ईमेल व सोशल मीडिया अकाउंट का पासवर्ड बदलते समय विशेष सतर्कता बरतें और किसी भी अनजान लिंक या कॉल पर भरोसा न करें। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी फर्जी पासवर्ड रीसेट लिंक, नकली वेबसाइट, फर्जी कस्टमर केयर कॉल, ईमेल और मैसेज के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। अपराधी लोगों को यह कहकर भ्रमित करते हैं कि उनका बैंक अकाउंट, सोशल मीडिया अकाउंट या ईमेल बंद होने वाला है और तुरंत पासवर्ड रीसेट करना जरूरी है। कई बार साइबर ठग बैंक, सोशल मीडिया कंपनी या किसी सरकारी संस्था के कर्मचारी बनकर कॉल करते हैं और ओटीपी, लिंक या स्क्रीन शेयरिंग ऐप के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसके बाद अपराधी बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं या सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लेते हैं। एसपी ने बताया कि इन दिनों साइबर फ्रॉड के लिए प्रमुख रूप से फर्जी पासवर्ड रीसेट लिंक भेजकर नकली वेबसाइट पर जानकारी भरवाई जा रही है। इसके अलावा बैंक या सोशल मीडिया कंपनी बनकर ओटीपी मांगना, एनीडेस्क व टीमव्यूअर जैसी स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करवाकर मोबाइल का एक्सेस लेना, और अकाउंट ब्लॉक या केवाईसी अपडेट के नाम पर डर पैदा कर जल्दबाजी में जानकारी लेना शामिल है। ईमेल या एसएमएस में भेजे गए फर्जी लिंक से भी पासवर्ड चोरी किए जा रहे हैं। साइबर ठगी से बचने के लिए पुलिस प्रशासन ने कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है। इसके तहत किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करके पासवर्ड रीसेट न करें।

एसपी निकिता खट्टर।

साइबर ठगी होने पर 1930 पर करें संपर्क

एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी होती है तो वे तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाएं। समय पर दी गई सूचना साइबर अपराधियों तक पहुंचने और ट्रांजेक्शन रुकवाने में पुलिस की मदद करती है।

श्री सैन समाज के जिला प्रधान का चुनाव 9 जुलाई को

सैन मंदिर में चुनाव समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

श्री सैन समाज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जिला सैन समाज की जिला कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर चुनाव समिति की बैठक सैन मंदिर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कृष्ण लाल टोकसिया ने की। बैठक में हरिकिशन कुतनिया, रामपाल बसीर, संदीप कुमार, मोहन लाल, प्रहलाद, राजकुमार रजलीवाल, मंदिर कमेटी के प्रधान राजकुमार तथा सचिव अनिल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला सैन समाज की नई जिला कार्यकारिणी के लिए चुनाव 9 जुलाई 2026 को करवाए जाएंगे। चुनाव में प्रधान, उपप्रधान, सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव समिति के अध्यक्ष कृष्ण लाल टोकसिया ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 18 जून से 20 जून तक चलेगी, जबकि 25 जून तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधान पद के लिए आवेदन शुल्क 2100 रुपये तथा अन्य पदों के लिए 1100 रुपये निर्धारित किया गया है। 9 जुलाई,2026 को सैन मंदिर सिरसा में मतदान प्रक्रिया प्रातः 10 बजे सायं 5 बजे तक रहेगी।

रास्ता रोककर किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। पुरानी रंजिश के चलते रास्ता रोककर मारपीट करने और जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने पीरूराम बस्ती वार्ड नंबर 10 निवासी सिकंदर पुत्र चरणदास को काबू किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि पीरूराम बस्ती निवासी बब्बी राम ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने रिश्तेदार के साथ टोहाना रोड स्थित टैक्सी स्टैंड के पास जा रहा था। इसी दौरान आरोपी सिकंदर, रवि और करण ने उनका रास्ता रोक लिया और बेटे की पत्नी को वापस घर न लाने की रंजिश को लेकर हमला कर दिया। आरोपी सिकंदर ने तेजधार हथियार से सिर पर कई वार किए, जबकि अन्य ने डंडों से चोटें पहुंचाईं। घायल का अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है।

पूर्व विधायक के निधन पर संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

समाज के लिए लंबे समय तक किया काम : पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पूर्व विधायक सहीराम बिश्नोई के निधन पर राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर शोक एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि सहीराम बिश्नोई केवल हरियाणा ही नहीं, अखंड भारत के कोहिनूर थे। उन्होंने समाज के लिए लंबे समय तक काम किया। सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा व राजस्थान में सरकार उनके नाम पर स्मृति-स्थापना व नामकरण पर विचार करेगी। पंजाब व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी प्रयास रहेगा। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के वीसी नरसीराम बिश्नोई ने कहा कि सहीराम बिश्नोई की ईमानदारी व सादगी उनकी बड़ी पहचान है। आज के युवाओं को इसका अनुसरण करना चाहिए। पूर्व डिप्टी सीएम एवं कांग्रेस विधायक चंद्रमोहन बिश्नोई, पूर्व विधायक बिहारी बिश्नोई नोखा, सेवक दल से विनोद धारणिया, एग्रीकल्चर एडिशनल डायरेक्टर डॉ देवेंद्र बिश्नोई, प्रो संजय जावर, जम्भाणी साहित्य अकादमी के डा बनवारी लाल सहु, अजय बिश्नोई, रिटायर्ड एडीसी अशोक बिश्नोई ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम अग्रोहा शक्ति पीठ में भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर

संगठन मजबूती और बूथ प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

- वंदे मातरम् के नारों से गूंजता रहा शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी फतेहाबाद द्वारा अग्रोहा शक्ति पीठ में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती, बूथ प्रबंधन, सोशल मीडिया और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन की शुरुआत योग, प्राणायाम और व्यायाम सत्र से हुई, जिसके बाद विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और सभागार भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के नारों से गूंजता रहा।

फतेहाबाद। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते भाजपा नेता। *फोटो : हरिभूमि*

संगठन हित सर्वोपरि

प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन इसलिए बनी है क्योंकि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और संगठन हित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनावी समय में नहीं, बल्कि पूरे वर्ष समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय रहते हैं। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और डिजिटल माध्यमों पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। शिविर में डॉ. कमल गुप्ता ने बूथ प्रबंधन, मन की बात और एसआईआर विषय पर प्रशिक्षण दिया, जबकि भाजपा नेता रामचंद्र जांगड़ा ने केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं की जानकारी साझा की।

सोशल मीडिया के उपयोग भी बताए

प्रदीप जैन ने कार्य विस्तार और आईटी विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला, वहीं अरुण यादव ने सोशल मीडिया और आईटी मीडिया के प्रभावी उपयोग को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। इस दौरान वर्ग प्रमुख भारत भूषण मिढ़ा, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य और वर्ग संयोजक विकास लालोदा विशेष रूप से मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने शिविर की सफलता पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

लंबे समय से फरार पीओ को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। पीओ स्टाफ फतेहाबाद ने एक उद्घोषित अपराधी को काबू किया है। पीओ स्टाफ फतेहाबाद प्रभारी ने बताया कि काबू किए गए आरोपी की पहचान जंडी मोहल्ला फतेहाबाद निवासी परवीन कुमार हाल निवासी हिसार के रूप में हुई है। आरोपी न्यायालयी कार्यवाही से बचने के लिए, लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी के खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में वर्ष 2022 में मामला दर्ज है। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना एवं तकनीकी सहायता के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कंजक पूजन के बाद शुरू किया मासिक भंडारा

ओढां। श्री दुर्गा अष्टमी के अवसर पर पुरानी अनाजमंडी ओढ़ां में स्थित दुर्गा मंदिर में श्री दुर्गा सेवा ट्रस्ट ओढ़ां द्वारा गांववासियों के सहयोग से मासिक भंडारा लगाया गया। भंडारे का शुभारंभ श्री दुर्गा मंदिर के पुजारी देव शर्मा ने आद शक्ति दुर्गा माता, अन्नपूर्णा माता, महादेव, हनुमान और भैरों देव को भोग लगाकर कंजक पूजन के साथ किया। इस दौरान श्री दुर्गा युवा मंडल के बालकों केतन गर्ग, वत्सल गर्ग, जतिन सिंगला, पर्व गोयल, जश्न गोयल, हितिन कांसल, अनुराग गर्ग और जश्न सहित अनेक युवाओं ने सेवा एवं प्रचार कार्य बखूबी निभाया।

5 लीटर लाहन सहित आरोपी दबोचा

सिरसा। रानियां थाना पुलिस ने 5 लीटर अवैध लाहन सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव बणी निवासी सतनाम के रूप में हुई है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि करीवाला पुलिस चौकी की एक टीम गश्त के दौरान गांव बणी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि गांव बणी निवासी सतनाम अपने घर पर अवैध रूप से शराब निकालने का धंधा करता है तथा घर पर अवैध लाहन छिपाकर रखी हुई है। सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध लाहन बरामद हुई।

श्री अरूट जी महाराज की जयंती 30 मई को

रतिया। श्री अरूट जी महाराज की जयंती आगामी 30 मई को फतेहाबाद रोड स्थित श्री अरोड़वंश सेवा सदन में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री अरोड़वंश महासभा की एक कार्यकारिणी बैठक गत रात्रि इंपीरियल गार्डन में महासभा प्रधान राजपाल ग्रोवर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान महासचिव एडवोकेट सतपाल सेठी ने पिछले कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोऑर्डिनेटर हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि इस वर्ष जयंती के अवसर पर श्री अरोड़वंश सेवा सदन में विशेष आयोजन किया।

हड़ताल खत्म होने के बावजूद शहर में सफाई व्यवस्था बेपटरी

कालोनियों में कई दिनों से नहीं हो रहा कूड़े का उठान, शहवासी परेशान

- आंशिक सफाई के चलते गलियों में फैली गंदगी व बदबू

हरिभूमि न्यूज ⏩ फतेहाबाद

फतेहाबाद। कालोनियों में पड़े कूड़े के ढेर। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हुए एक सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। शहर के कई वार्डों, कॉलोनियों और अंदरूनी गलियों में अब भी कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। अनेक स्थानों पर कई दिनों से न तो नियमित झाड़ू लग रही है और न ही कूड़े का समय पर उठान हो पा रहा है।

ऐसे में नगर परिषद के स्वच्छता संबंधी दावे सवालों के घेरे में नजर आ रहे हैं। हड़ताल समाप्त होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि सफाई व्यवस्था जल्द पटरी पर लौटेगी, लेकिन हालात अब भी चिंताजनक बने हुए हैं। मुख्य बाजारों और प्रमुख सडक़ों पर आंशिक सफाई दिखाई दे रही है, जबकि अंदरूनी गलियों में गंदगी और बदबू से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर लंबे समय से जमा कूड़े के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद की टीमें नियमित रूप से क्षेत्रों में नहीं पहुंच रहीं, जिससे समस्या बढ़ती जा रही है। नगर परिषद के रिकॉर्ड के अनुसार हड़ताल समाप्त होने के बाद शुरुआती दिनों में कूड़ा उठान बेहतर रहा, लेकिन बाद में इसमें लगातार गिरावट दर्ज की गई।

हरिभूमि सरोकार

ये कहते हैं आंकड़े

15 मई को 1200 टन कूड़ा उठाया गया था, जो 16 मई को घटकर 800 टन रह गया। इसके बाद 17 मई को 600 टन, 18 मई को 400 टन, 19 मई को 300 टन, 20 मई को 250 टन, 21 मई को 175 टन और 22 मई को 100 टन, 23 मई को 40 टन कूड़े का उठान हो चुका है लेकिन इसके बावजूद कर्मचारी या सफाई एजेंसी के कारिंदे शहर की गलियों में झाड़ू व सफाई के लिए नहीं पहुंचे। व्यापार मंडल के सचिव कृष्ण चंद और प्रतिनिधि वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि नगर परिषद अधिकारी केवल कागजों में सफाई व्यवस्था बेहतर दिखाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि जमीनी स्थिति अलग है। उनका कहना है कि कई वार्डों में अभी तक नियमित सफाई शुरू नहीं हो पाई है। नगरपरिषद सचिव का कहना है कि हड़ताल के दौरान जमा हुए अतिरिक्त कूड़े को हटाने का कार्य लगातार जारी है। जल्द ही शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह सामान्य कर दी जाएगी।

रतिया। गुरु नानक डिफेंस एकेडमी में पहुंचने पर युवाओं का स्वागत करते हुए एकेडमी संचालक। फोटो : हरिभूमि

रतिया के वंश और अक्षय का भारतीय सेना में चयन

जून में होगी जॉइनिंग, जश्न का माहौल

हरिभूमि न्यूज ⏩ रतिया

फतेहाबाद रोड पर नवनिर्मित गुरु नानक डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाले दो होनहार युवाओं, वंश और अक्षय, का चयन भारतीय सेना में हो गया है। दोनों युवाओं की जॉइनिंग आगामी जून महीने में होने जा रही है। इस शानदार सफलता पर एकेडमी परिसर में जश्न का माहौल रहा और देश सेवा के लिए चुने गए दोनों खिलाड़ियों का फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। एकेडमी के सीईओ गुरजीत सिंह और हेड कोच सुमित कुमार ने बताया कि मुकेरिया जिला होशियारपुर के रहने वाले वंश ठाकुर और अक्षय जेरीवाल ने गुरु नानक डिफेंस एकेडमी से लिखित परीक्षा की तैयारी और कड़े फिजिकल की ट्रेनिंग ली थी। इसी कड़ी मेहनत की बदौलत रुड़की में आयोजित स्पोर्ट्स कोटे की भर्ती में दोनों का चयन इंडियन आर्मी के लिए हुआ है। संस्थान की पहली बड़ी कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए प्रिंसिपल जसबीर कौर और डायरेक्टर स्वर्ण सिंह ने दोनों युवाओं को बधाई दी है।

ये रहे उपस्थित

खिलाड़ियों के सम्मान समारोह के दौरान मलकीत संधू, रमनदीप कौर, अम्मी गिल, तीरंदाजी कोच गुरजीत राजस्थान, एथलेटिक कोच बंटी कुमार, एकेडमिक ट्रेनर रवि कुमार और अनुज राजस्थान, खो-खो कोच सुमन, गतका कोच परम सिंह और अवी सिंह सहित एकेडमी का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

एथलेटिक्स स्पर्धा में इशरीत व रूपनीत चुने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

रतिया। गुमटसर एकेडमी के खेल मैदान में रविवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने पर ईशरीत औलख को लड़कों में व रूपनीत बोला लड़कियों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई। कोच हरदीप सिंह बोला ने बताया कि ओपन वर्ग लड़कियों की प्रतियोगिता के तहत शॉटपुट में रूपनीत बोला, परवाज, बक्शनूर ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। 3 किलोमीटर रेस में रूपनीत बोला, अवंतिका, कोमल रानी, 800 मीटर रेस में राजवीर कौर, कुलजीत कौर, गुरविंदर कौर, 200 मीटर रेस में राधा, पलक और रवनीत ने, लॉन्ग जम्प में रीमांश, रमनदीप, गुरलीन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। लड़कों के ओपन वर्ग में 3 किलोमीटर रेस में ईशरीत औलख, गुरफतेह, कार्तिक, शाटपुट में ईशरीत औलख, करण व कबीर, लॉन्ग जम्प में दक्ष, हरविंदर चांदी और भवनीत, 200 मीटर में रेस में सहज, शौर्य और पवन, 800 मीटर रेस में आयुष,आशु व मन्नत ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर कमेटी सदस्य हरदीप सिंह बोला, छिंदर पाल कौर, इंद्रजीत समरा, अमनदीप, गुरप्रीत, खुशदीप कौर, अजय बेदी आदि रहे।

अजंता वॉरियर्स की पांचवीं जीत

हरिभूमि न्यूज ⏩ रतिया

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में चल रहे मास्टर प्रीमियर लीग में रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी है। प्रतियोगिता के एक मुकाबले में अजंता वॉरियर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मराठा इलेवन को 45 रनों से शिकस्त दी। इस धमाकेदार जीत के साथ ही अजंता वॉरियर्स अपने पूल-ए में सभी 5 मैच जीतकर शीर्ष पर काबिज हो गई है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अजंता वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 193 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मैच के असली हीरो बुग्गी रतिया रहे, जिन्होंने महज 25 गेंदों का सामना करते हुए 10 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 71 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मराठा इलेवन की टीम 17.2 ओवरों में 148 रनों पर ढेर हो गई। अजंता वॉरियर्स की ओर से गेंदबाजी में दुष्यंत खटीक ने 20 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि विकेटकीपर हिमांशु झंडई ने विकेट के पीछे 6 शानदार कैच लपके। एक अन्य मुकाबले में सुखीजा चैलेंजर्स ने जीवा टाइगर्स को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह मजबूत कर ली है। सुखीजा चैलेंजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नोनी के शानदार 65 रन और एडवोकेट गौरव बिश्नोई के 38 रनों की बदौलत 202 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। जवाब में 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीवा टाइगर्स की टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पाई और 144 रनों पर सिमट गई।

बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की नियुक्ति करेगा इनेलो: जस्सा

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को पार्टी कार्यालय में हलकाध्यक्षों की बैठक लेकर संगठन को बूथ लेवल पर ले जाकर उसे मजबूती प्रदान करने पर विमर्श किया। जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि इनेलो की कल्याणकारी नीतियों से आमजन को अवगत करवाने के उद्देश्य से इनेलो पिछले कुछ समय से जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है और इसी कड़ी में बहुत जल्द बूथ लेवल पर भी पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से कार्यकर्ताओं की नियुक्ति करेगी। उन्होंने कहा कि यदि अकेले सिरसा जिले की चर्चा की जाए तो इनेलो के सभी 17 प्रकोष्ठों पर इनेलो की जिला इकाई ने कार्य करते हुए प्रदेशभर में सबसे पहले अपनी सभी कार्यकारिणी गठित कर पार्टी की गतिविधियों को तेज किया। उन्होंने सभी पांचों हलकाध्यक्षों को जानकारी दी कि 25 मई को जींद जिले में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों की आवश्यक बैठक लेंगे और बूथ लेवल पर पार्टी संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से आवश्यक दिशा निर्देश देंगे।

सिरसा। कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए प्रधान जसबीर सिंह जस्सा। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

स्वामी परमानंद महाराज की 38 वीं पुण्यतिथि मनाई

भट्टूकलां। गांव भट्टू कलां स्थित शिव आश्रम में रविवार को श्री श्री 1008 स्वामी परमानंद जी महाराज की 38वीं पुण्यतिथि धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम में भजन-कीर्तन, श्रद्धांजलि सभा और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर स्वामी जी को नमन किया। इतिहास के अनुसार, स्वामी परमानंद जी महाराज सावन माह वर्ष 1975 में भट्टू कलां पहुंचे थे। उन्होंने स्वर्गीय पुष्कर दत्त शर्मा की स्मृति में बने एक छोटे से कमरे में करीब 12 वर्षों तक कठोर तपस्या की। उनकी इसी साधना के कारण आज यह शिव आश्रम क्षेत्र में आस्था का बड़ा केंद्र बना है।

शिविर में सैकड़ों युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

सिरसा। थैलेसीमिया सोसायटी तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तत्वावधान में थैलेसीमिया ग्रसित बच्चों के सहायतार्थ रक्तदान शिविर शिव शक्ति ब्लड बैंक में लगाया गया। सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अरोड़ा ने बताया कि थैलेसीमिया एक ऐसी बिमारी है, जिसमें बच्चों को माह में दो बार रक्त चढ़ाना पड़ता है जिसके कारण रक्त की आवश्यकता पड़ती है। खासकर गर्मियों के मौसम में समस्या अधिक आती है। उन्होंने कहा कि हालांकि पिछले कुछ समय से लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता आई है और लोग स्वयं रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति लोगों के मन में अनेक प्रकार की भ्रांतियां हैं।

कड़ी मेहनत ही सफलता का मुख्य आधार: गुरदीप

सिरसा। बाबा सरसाइनाथ बुक बैंक का सातवां पुस्तक वितरण व प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को गौशाला में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने की। सैनी ने इस अवसर पर कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज को शिक्षित करके ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। बुक बैंक का एक ही लक्ष्य है कि कोई विद्यार्थी पुस्तकों और स्टेशनरी के अभाव में पढ़ाई न छोड़े। सैनी ने बताया कि बुक बैंक पिछले 5 वर्षों से 15 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित कर चुका है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों के सेट, निशुल्क चश्मा, स्टेशनरी स्कूल शूज, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें वितरित करना शामिल हैं।

भीषण गर्मी और लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी

सिरसा। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा द्वारा भीषण गर्मी और लू को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। कार्यकारी सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद शर्मा ने बताया कि जिले में गर्मी व हीट वेव के संभावित प्रभावों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हैं। उन्होंने बताया कि तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए स्वास्थ्य संस्थानों को विशेष तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि हीट स्ट्रोक और गर्मी से संबंधित बीमारियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। सभी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों में हीट स्ट्रोक प्रबंधन इकाइयों को सक्रिय रखने, आइस पैक, ठंडे आईवी फ्लूड्स व अन्य कूलिंग व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी और हीट वेव (लू) की स्थिति शरीर की कार्य प्रणाली पर प्रभाव डाल सकती है, जिससे व्यक्ति गंभीर रुप से बीमार पड़ सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे हीट वेव के दौरान विशेष सावधानी बरतें। दस्त होना, हल्का बुखार आना और अत्यधिक प्यास लगना भी शरीर में गर्मी और पानी की कमी के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस और तरल पदार्थों का सेवन करें तथा जरूरत पडने पर चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें। कार्यकारी सिविल सर्जन ने बताया कि यथासंभव घर, कार्यालय या ठंडी एवं हवादार जगहों पर ही रहें। घरों में दिन के समय खिड़कियां, पर्दे और दरवाजे बंद रखें ताकि गर्म हवा और धूप अंदर न आए, जबकि शाम और रात के समय इन्हें खोल दें ताकि कमरों में ठंडक बनी रहे। बाहर जाने की स्थिति में बीच-बीच में आराम करें तथा पंखे और गीले कपड़ों का प्रयोग करें। उन्होंने पशुपालकों से भी अपील की कि वे जानवरों को छायादार स्थान पर रखें और उन्हें पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाएं। डॉ. शर्मा ने कहा कि एक वर्ष से कम आयु के शिशु, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बाहरी वातावरण में कार्य करने वाले व्यक्ति, हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तथा ठंडे क्षेत्रों से गर्म क्षेत्रों में आने वाले व्यक्ति की विशेष देखभाल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग और अकेले रहने वाले बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करनी चाहिए। दिन के समय घर के निचले तल पर रहने का प्रयास करें तथा शरीर का तापमान कम रखने के लिए पंखे और गीले कपड़ों का प्रयोग करें।

विजय सिंह जाखड़ के भारतीय पुलिस सेवा में प्रमोट होने पर रतिया क्षेत्र में खुशी का माहौल

रतिया। जिले में लंबे समय तक डीएसपी के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले विजय सिंह जाखड़ के भारतीय पुलिस सेवा में प्रमोट होने पर पूरे रतिया क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी प्रमोशन सूची में उनका चयन आईपीएस कैडर के लिए किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों और गणमान्य व्यक्तियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे जिले के लिए गौरव का क्षण बताया है। विजय सिंह जाखड़ ने हरियाणा प्रदेश में जहां भी अपनी सेवाएं दीं, वहां अपनी निष्पक्ष कार्यशैली, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सख्त लेकिन संवेदनशील पुलिसिंग के कारण विशेष पहचान बनाई। वर्तमान में वे स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो में एसपी के पद पर कार्यरत हैं और अब आईपीएस अधिकारी के रूप में नई जिम्मेदारी निभाएंगे। उनके आईपीएस बनने की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने कहा कि साधारण परिवार से निकलकर कठिन मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर आईपीएस बनना युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। इस अवसर पर विशेष बातचीत में विजय सिंह जाखड़ ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। मेहनत, अच्छी शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर देता है, जबकि शिक्षा, खेलकूद और समाज सेवा उन्हें नई दिशा और पहचान देते हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा को पढ़ाई, खेलकूद और समाजहित के कार्यों में लगाएं तथा अपने माता-पिता, गांव और क्षेत्र का नाम रोशन करें। विजय सिंह जाखड़ के आईपीएस बनने पर अग्रवाल वैश्य समाज रतिया जिला फतेहाबाद, प्रेस क्लब रतिया, जैन एकता मंच रतिया सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्रीदुर्गा मंदिर सभा के नवनिर्वाचित प्रधान रामकुमार ने किया कार्यकारिणी का विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏩ टोहाना

टोहाना। श्रीदुर्गा मंदिर सभा के नवनिर्वाचित प्रधान रामकुमार गर्ग एवं सदस्य।

श्रीदुर्गा मंदिर सभा के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। जिसमें प्रधान रामकुमार गर्ग, उपप्रधान दर्शन कुमार गोयल, सचिव ईश्वर गिल एवं कोषाध्यक्ष नीतिन सिंगला को मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित प्रधान रामकुमार गर्ग ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सभा का संरक्षक कृष्ण चंद बंसल, श्रीदुर्गा धर्मशाला का चेयरमैन कर्मवीर बंसल, ओडिटर राधेश्याम बजाज, श्रीदुर्गा प्राइमरी स्कूल की जिम्मेदारी सतभूषण गोयल को सौंपी गई। वहीं डांगरा रोड स्थित स्वर्ग आश्रम का चेयरमैन बिशनदास चौधरी, प्राचीन श्रीदुर्गा मंदिर का चेयरमैन मुन्नीलाल वर्मा को नियुक्त किया गया है। सभा के मुख्य सलाहकार के रूप में नानूराम मित्तल को मनोनीत किया गया। जागरण एवं संकीर्तन में मंच संचालक की भूमिका हेमंत पाहवा अदा करेंगे।

इनको किया शामिल

कार्यकारिणी में सुदेश कुमार बंसल, नरेश कुमार बंसल, नीलकमल अग्रवाल, अरुण कुमार बंसल, नितिन सिंगला, अभय कुमार जैन को शामिल किया गया है। सभा सदस्यों ने आशा जताई कि नई टीम धार्मिक कार्यों को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर श्रीदुर्गा मंदिर सभा के संरक्षक कृष्ण चंद्र बंसल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को माता की चुन्नी ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

शिविर वैष्णो भजन मंडल ने लगाया नि:शुल्क ईएनटी चैकअप कैंप

कान के पर्दे में इंफेक्शन और सुनने की क्षमता कम होना चिंताजनक, समय पर उपचार जरूरी : डॉ. सुमित नारंग

हरिभूमि न्यूज ⏩ फतेहाबाद

फतेहाबाद। कैम्प में मरीजों की जांच करते ईएनटी स्पैशलिस्ट डॉ. सुमित नारंग।

श्री वैष्णो भजन मंडल फतेहाबाद द्वारा रविवार को थाना रोड स्थित गली रामस्वरूप पकौड़े वाली में नाक, कान व गला रोगों की जांच के लिए एक विशाल निशुल्क चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में सारथी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर के एमएस सर्जन डॉ. सुमित नारंग ने मुख्य चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

उन्होंने कैंप में पहुंचे करीब 70 मरीजों के स्वास्थ्य की गहनता से जांच की और उन्हें उचित उपचार व परामर्श दिया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पार्षद नरेश बजाज ने ज्योति प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अरोड़वंश महासभा के प्रधान आजाद सचदेवा मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. महेंद्र मेहता ने की।

मरीजों की जांच करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विख्यात सर्जन डॉ. सुमित नारंग ने नाक, कान और गले की बीमारियों के प्रति जागरूक किया। डॉ. नारंग ने कहा कि आजकल की बदलती जीवनशैली, प्रदूषण और लापरवाही के कारण नाक, कान और गले से संबंधित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अक्सर देखने में आता है कि लोग कान में मामूली दर्द या भारीपन होने पर उसे नजरअंदाज कर देते हैं या फिर बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी ड्रॉप डाल लेते हैं, जो कि बेहद खतरनाक है। जांच के दौरान कई मरीजों के कान के पर्दे में गंभीर इंफेक्शन और पर्दा गलने की समस्या पाई गई है। कान का पर्दा गलने से इंसान के सुनने की क्षमता धीरे-धीरे पूरी तरह कमजोर होती जाती है। कान, नाक और गला हमारे शरीर के बेहद संवेदनशील हिस्से हैं, इसलिए इनमें किसी भी तरह की तकलीफ होने पर उसे छुपाएं नहीं, बल्कि तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर लिया गया उपचार ही आपको किसी बड़ी विकृति या बहरेपन का शिकार होने से बचा सकता है।

निशुल्क जांच व दवाइयां पाकर खिले मरीजों के चेहरे

कैंप के दौरान आधुनिक मशीनों द्वारा मरीजों के कान की सुनाई की क्षमता (ऑडियोमेट्री) की जांच की गई। इसके साथ ही ब्लड शुगर और बीपी की जांच भी पूरी तरह निशुल्क की गई। डॉक्टर द्वारा लिखे गए परामर्श के अनुसार वैष्णो भजन मंडल की ओर से सभी मरीजों को दवाइयां भी मुफ्त में वितरित की गई, जिससे गरीब व जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिली। इस सफल और जनहितैषी आयोजन पर श्री वैष्णो भजन मंडल के संरक्षक ईश मेहता, प्रधान दीपक सरदाना, सचिव विजय मिढ़ा, अमित जुनेजा और गुलशन मुंजाल ने डॉक्टर सुमित नारंग की पूरी मेडिकल टीम और पहुंचे हुए सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी शिविर लगाती रहेगी। इस अवसर पर बंटी मेहता, ईश्वर सिंह, शम्मी ढींगड़ा, अरुण आहूजा, आशु रुखाया, संजय जुनेजा, तरुण असीजा, जिंदगी संस्था के प्रधान हरदीप सिंह, सुशील भाटिया, मुकेश नारंग, सुशील डोडा, मुकेश नागपाल, सतीश श्रीधर, नरेंद्र दीवाना, पवन नारंग और पवन छाबड़ा सहित भारी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन और युवा मौजूद रहे।